11 रिमझिम (हिन्दी) पढ़क्कू की सूझ

Grade - 4

Classnotes

प्रश्नों को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1. मालिक ने पढ़क्कू को अपना ज्ञान कहाँ फैलाने को कहा ?

a. बच्चों में
b. स्कूल में
c. **जहाँ उसने सीखा था**
d. घर में

2. कोल्हू का बैल क्या निकाल कर देता था ?

a. पानी
b. अनाज
c. **तेल**
d. मिठाई

3. पढ़क्कू को कौन गज़ब लगता था ?

a. बैल
b. **मालिक**
c. बच्चे
d. बुज़ुर्ग

4. पढ़क्कू कौन-सा विषय पढ़ते थे ?

a. भूगोल
b. इतिहास
c. **तर्कशास्त्र**
d. विज्ञान

उपयुक्त शब्द का प्रयोग कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए |

1. कोल्हू के बैल की गर्दन में एक __घंटी__ पड़ी है |

2. बैल __कोल्हू__ में घूमता है |

3. जब तक गर्दन में घंटी बजती रहती है तब तक मालिक __फिक्र__ नहीं करता |

4. एक दिन पढ़क्कू बड़ी __फिक्र__ में पड़ गए |

सही वाक्य के आगे सही (✔) और गलत वाक्य के आगे गलत (✖) का चिह्न लगाइए |

1. मालिक ने पढ़क्कू को बेवकूफ़ कहा | ✖

2. पढ़क्कू एक रोज़ बहुत फ़िक्र में पड़ गया था | ✓

3. घंटी ट्रिन-ट्रिन आवाज़ करती थी | ✖

4. मालिक बैल को बिना देखे उसका भेद जान जाते थे | ✓

किसने, किससे और क्यों कहा ?

1. "बैल हमारा नहीं अभी तक मंतिख पढ़ पाया है|"

मालिक ने पढ़क्कू से कहा

2. "अगर किसी दिन बैल तुम्हारा सोच - समझ अड़ जाए |"

11 - पढ़क्कू की सूझ

पढ़क्कू ने मालिक से कहा

3. **"अजी, बिना देखे, लेते तुम ज्ञान भेद यह कैसे ?"**

   पढ़क्कू ने मालिक से कहा

4. **"यहाँ सभी कुछ ठीक - ठाक है , यह केवल माया है ,"**

   मालिक ने पढ़क्कू से कहा

वाक्य को पढ़कर एक शब्द में उत्तर लिखिए |

1. **पढ़क्कू क्या पढ़ते थे ?** तर्कशास्त्र
2. **मालिक के अनुसार बैल अभी तक क्या नहीं पढ़ पाया था ?** मंतिख
3. **बैल कहाँ घूमता था ?** कोल्हू में
4. **पढ़क्कू ने बेवकूफ़ किसे कहा है ?** मालिक को

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कम से कम शब्दों में लिखिए |

1. **आप कौन-सा काम खूब मन से करना चाहते हैं ? उसके आधार पर अपने लिए भी पढ़क्कू जैसा कोई शब्द सोचिए ।**

   मैं गप्पें खूब मारना चाहता हूँ। इस आधार पर मैं 'गप्पू' के नाम से पुकारा जा सकता हूँ।

2. **पढ़क्कू के अनुसार मालिक ने बैल को क्या सिखा रखा था ?**

   पढ़क्कू के अनुसार मालिक ने बैल को कोई तरीका सिखा रखा था |

3. **कविता में कौन बातें बनाता है ?**

   कविता में पढ़क्कू बातें बनाता है |

4. **" पूँछ धर लेता हूँ " का क्या अर्थ है ?**

   " पूँछ " धर लेता हूँ का अर्थ है पूँछ पकड़ना |

5. **" मंतिख " किसने नहीं पढ़ रखी है ?**

   " मंतिख " बैल ने नहीं पढ़ रखी है |

6. **" कोल्हू का बैल " से कवि का क्या तात्पर्य है ?**

   " कोल्हू का बैल " से कवि का तात्पर्य है जो लोग दिन-रात कड़ी मेहनत करते हैं |

7. **पढ़क्कू को किसका ज्ञान था ?**

   पढ़क्कू को तर्कशास्त्र का ज्ञान था |

11 - पढ़क्कू की सूझ

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक से दो वाक्यों में लिखिए |

1. **तीसरी कक्षा में आपने रामधारी सिंह दिनकर की कविता 'मिर्च का मजा' पढ़ी थी| अब आपने उन्हीं की कविता 'पढ़क्कू की समझ' पढ़ी|**
   (क) दोनों में से कौन-सी कविता पढ़कर आपको ज़्यादा मज़ा आया ?
   (ख) आपको काबुली वाला ज़्यादा अच्छा लगा या पढ़क्कू ? या कोई भी अच्छा नहीं लगा ?

   (क) मुझे 'काबुली वाला की सूझ' कविता पढ़कर ज़्यादा मज़ा आया |

   (ख) मुझे दोनों ही बड़े अच्छे और मज़ेदार लगे।।

2. **पढ़क्कू का नाम पढ़क्कू क्यों पड़ा होगा ?**

   पढ़क्कू का नाम पढ़क्कू पड़ा होगा क्योंकि वह दिन-रात पढ़ता रहता होगा , इसलिए उसका नाम पढ़क्कू पड़ा होगा|

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए |

1. **कोल्हू का बैल ऐसे व्यक्ति को कहते हैं जो कड़ी मेहनत करता है या जिससे कड़ी मेहनत करवाई जाती है| मेहनत और कोशिश से जुड़े कुछ और मुहावरे नीचे लिखें हैं| उनका वाक्यों में इस्तेमाल कीजिए|**
   *** दिन-रात एक करना**
   *** पसीना बहाना**
   *** एड़ी-चोटी का ज़ोर लगाना**

   * दिन-रात एक करना – नीतू ने डॉक्टर की परीक्षा पास करने के लिए दिन-रात एक कर दिया|
   * पसीना बहाना – पैसे कमाने के लिए पसीना बहाना पड़ता है|
   * एड़ी-चोटी का ज़ोर लगाना – मैच जीतने के लिए भारतीय टीम ने एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा दिया|

2. **हाँ जब बजती नहीं, दौड़कर तनिक पूँछ धरता हूँ।**
   पूँछ धरता हूँ का मतलब है पूँछ पकड़ लेता हूँ।

   नीचे लिखे वाक्यों को अपने शब्दों में लिखिए ।
   (क) मगर बूंद भर तेल साँझ तक भी क्या आप पाएँगे ?
   (ख) बैल हमारा नहीं अभी तक मंतिख पढ़ पाया है।
   (ग) सिखा बैल को रखा इसने निश्चय कोई ढब है।
   (घ) जहाँ न कोई बात, वहाँ भी नई बात गढ़ते थे।

   (क) मगर शाम तक तुम एक बूंद तेल भी नहीं पा सकोगे।
   (ख) हमारा बैल अभीतक तर्कशास्त्र नहीं पढ़ा है।
   (ग) इसने बैल को निश्चय ही कोई तरकीब सुझा रखी है।
   (घ) जहाँ कोई भी बात नहीं, वहाँ भी नई बात बना लेते थे।

3. **पढ़क्कू नई-नई बातें गढ़ते थे।**
   बताइए , ये लोग क्या गढ़ते हैं।

सुनार	जेवर
लुहार	लोहे की चीज
ठठेरा	बर्तन
कवि	कविता
कुम्हार	मिट्टी के बर्तन
लेखक	कहानी, लेख

11 - पढ़क्कू की सूझ

Classnotes

4. पढ़क्कू कैसा था और एक दिन उसने मालिक से क्या पूछा ?

पढ़क्कू बहुत तेज़ था , और तर्कशास्त्र पढ़ता था|हर जगह कोई न कोई बात ज़रूर गढ़ता था |एक दिन उसे समझ नहीं आया कि मालिक बिना देखे कैसे जान जाते है कि कोल्हू का बैल घूम रहा है | इसलिए उसने मालिक से पूछा कि आप बिना देखे बैल के बारे में कैसे जान लेते है कि कोल्हू खड़ा है या चल रहा है |

5. मालिक ने हँसकर पढ़क्कू से क्या कहा ?

मालिक ने पढ़क्कू की बात सुनकर उस से कहा कि पढ़क्कू आप अपना ज्ञान वहीँ जाकर दो जहाँ से आपको ये ज्ञान मिला है|मेरा बैल तो अनपढ़ है , उसने अभी तक तर्कशास्त्र की पढ़ाई नहीं की है|यहाँ सब कुछ ठीक - ठाक है , ये तो सब माया का खेल है |

6. मालिक कैसे समझ लेता है कि बैल काम कर रहा है ? पढ़क्कू ने मालिक को क्या उत्तर दिया ?

मालिक ने बैल के गले में एक घंटी बाँध रखी थी और जब घंटी टुन - टुन आवाज़ करती , तब मालिक समझ जाता कि बैल काम कर रहा है , पर जब घंटी की आवाज़ आना बंद हो जाती तब मालिक बाहर जा कर बैल की पूँछ पकड़ते|उस बात पर पढ़क्कू ने मालिक से कहा यह तो बेवकूफ़ी वाली बात है , बैल जब बिना चले गर्दन हिलाएगा तब भी घंटी की आवाज़ आएगी , और मालिक को लगेगा कि बैल काम कर रहा है परंतु वह काम कर रहा है , खड़ा है या बैठा है बिना देखे नहीं बताया जा सकता |